Test Cloud

# Daily करेंट अफेयर्स

## 22 जून 2025

## NATIONAL AFFAIRS / GOVERNMENT SCHEME

### 1. PM मोदी ने ओडिशा में 18,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया और विजन 2047 रोडमैप का अनावरण किया।

20 जून, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के भुवनेश्वर में 18,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसमें पेयजल, सिंचाई, राजमार्ग, रेलवे, स्वास्थ्य और शहरी गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने 2036 और 2047 के लिए ओडिशा विज़न दस्तावेज़ भी जारी किए, जिसमें राज्य के भविष्य के विकास पथ को दर्शाया गया है।

**• इस प्रमुख लॉन्च में 105 बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवा परियोजनाएं शामिल थीं, जिनका संयुक्त निवेश ₹18,600 करोड़ था। ये महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं: ग्रामीण और शहरी पेयजल प्रणालियाँ, प्रमुख सिंचाई कार्य, राजमार्गों और पुलों का विस्तार, स्वास्थ्य सुविधाओं का उन्नयन और ओडिशा में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए नई रेलवे लाइनें।**

**• आधुनिक गतिशीलता एजेंडे के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री मोदी ने राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (CRUT) योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इन ई-बसों का उद्देश्य शहरी परिवहन को विकेंद्रीकृत करना, बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रत्याशित विकास को पूरा करना और टिकाऊ, कम कार्बन वाले शहरी बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण का समर्थन करना है।**

**• मोदी ने दो दूरदर्शी रोडमैप दस्तावेज़ों का अनावरण किया- 'ओडिशा विज़न 2036' और 'ओडिशा विज़न 2047'- जिन्हें 3.2 लाख से ज़्यादा नागरिकों के सार्वजनिक परामर्श के ज़रिए तैयार किया गया है, जिसमें AI-सक्षम फ़ीडबैक एकीकरण भी शामिल है। 2036 का लक्ष्य ओडिशा की 100वीं राज्य स्थापना वर्षगांठ से जुड़ा है, जबकि विज़न 2047 भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य क्रमशः 500 बिलियन डॉलर और 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है।**

**Key Points:-**

(i) मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पूर्वोदय (पूर्वी विकास) पहल के साथ ओडिशा के संरेखण की पुष्टि की। उन्होंने लक्ष्य बताए: शहरी आबादी को बढ़ावा देना (2036 तक 17% से 40%, 2047 तक 60% तक बढ़ाना), औद्योगिक विकास, पर्यटन विस्तार, और बेहतर विमानन बुनियादी ढांचा - जिसमें पारादीप और पुरी में नए हवाई अड्डे, साथ ही भुवनेश्वर हवाई अड्डे के लिए तीसरा टर्मिनल शामिल है।

(ii) पहले के निवेश प्रवाह (56 उद्यमों के माध्यम से 1.8 लाख करोड़ रुपये) के साथ, ये पहल ओडिशा को पूर्वी भारत में भविष्य-संचालित विकास इंजन के रूप में स्थापित करती हैं। परियोजनाएँ और विज़न दस्तावेज़ समावेशिता, समृद्धि और सतत विकास के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो ओडिशा को भारत के विकसित भारत 2047 लक्ष्यों में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में आकार देते हैं।

### 2. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने नई दिल्ली में जेंडर बजटिंग पर भारत का पहला राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया।

जून 2025 में, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD) ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में जेंडर बजटिंग पर भारत का पहला राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नीति निर्माताओं और वैश्विक विकास भागीदारों को एक साथ लाकर जेंडर-उत्तरदायी राजकोषीय नीतियों को मजबूत करना था।

**• यह परामर्श भारत की बजटीय प्राथमिकताओं को लैंगिक समानता लक्ष्यों के साथ संरेखित करने के लिए तैयार किया गया था। 40 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों और 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 160 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। प्रतिनिधियों में UN महिला, एशियाई विकास बैंक (ADB) के प्रतिनिधि और कई राष्ट्रीय स्तर के अर्थशास्त्री और बजट विशेषज्ञ शामिल थे।**

**• चर्चा का विषय विभिन्न मंत्रालयों में लैंगिक बजट को संस्थागत बनाना, प्रमुख योजनाओं के तहत लैंगिक परिणामों का मूल्यांकन करना तथा लैंगिक चिंताओं को मुख्यधारा में लाने के लिए वित्तीय साधनों की पहचान करना था। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने लैंगिक बजट को परिणाम-आधारित बजट (OBB) तथा केन्द्रीय बजट के साथ प्रतिवर्ष प्रस्तुत किए जाने वाले लैंगिक बजट विवरण (GBS) का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया।**

**• केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पुष्टि की कि 2005-06 से जेंडर बजटिंग एक नीति स्तंभ बना हुआ है, लेकिन अब यह एक रणनीतिक शासन साधन के रूप में विकसित हो गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में, भारत सरकार ने जेंडर बजट के तहत ₹4.49 लाख करोड़ आवंटित किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37% की वृद्धि दर्शाता है।**

**Key Points:-**

(i) पिछले दशक में भारत के जेंडर बजट आवंटन में 4.5 गुना वृद्धि हुई है - वित्त वर्ष 2014-15 में ₹0.98 लाख करोड़ से वित्त वर्ष 2025-26 में ₹4.49 लाख करोड़ तक। यह लक्षित योजनाओं और सार्वजनिक सेवा वितरण के माध्यम से लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के प्रति केंद्र की बढ़ती वित्तीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

(ii) कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने नीति थिंक टैंक के सहयोग से विकसित 'जेंडर बजटिंग नॉलेज हब' नामक एक नया डिजिटल पोर्टल भी लॉन्च किया। यह केंद्रीकृत पोर्टल केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर विभागों के लिए लिंग-विभाजित डेटा, नीति संक्षिप्त विवरण, योजना-स्तरीय सर्वोत्तम अभ्यास और प्रशिक्षण मॉड्यूल होस्ट करेगा।

(iii) यह परामर्श भारत के राजकोषीय ढांचे में लैंगिक समानता को शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नॉलेज हब वास्तविक समय की निगरानी और क्षमता निर्माण के लिए एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में कार्य करेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने रूपरेखा को परिष्कृत करने और मंत्रालयों को अधिक समावेशी बजट पेश करने के लिए सशक्त बनाने के लिए हर साल ऐसे परामर्शों को संस्थागत बनाने की योजना बनाई है।

## 3. दिल्ली विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जनजाति के छात्रों के बीच डिजिटल और उच्च शिक्षा कौशल को बढ़ावा देने के लिए 'जयहिंद' योजना शुरू की।

17 जून, 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय ने जनजातीय इमर्सिव होलिस्टिक इंटरवेंशन फॉर नोवेल डेवलपमेंट (JAIHIND) योजना का अनावरण किया। अनुसूचित जनजाति के स्कूली छात्रों को ध्यान में रखकर बनाई गई इस योजना में CUET कोचिंग, कौशल विकास और डिजिटल प्रशिक्षण को शामिल किया गया है, जिससे उच्च शिक्षा और आजीविका के अवसरों तक पहुँच को बढ़ावा मिलेगा।

**• मणिपुर के उखरुल जिले में तंगखुल नागा जनजाति के 9वीं से 12वीं कक्षा के 25 छात्रों के पायलट बैच को चार सरकारी स्कूलों से मेरिट के आधार पर चुना गया है। दो सप्ताह का गहन कार्यक्रम 17 से 29 जून तक चलेगा,**

**जिसमें सीयूईटी परीक्षा की रणनीति, अकादमिक मार्गदर्शन और दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर के जीवन से परिचय शामिल है, जिसमें सचिव विनीत जोशी के साथ सहायक सत्र भी शामिल हैं।**

**• अकादमिक कोचिंग के साथ-साथ, प्रतिभागियों को डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण भी मिलता है - जिसमें कंप्यूटर कौशल और CUET अनुप्रयोग शामिल हैं - और व्यावहारिक आजीविका प्रशिक्षण। पाठ्यक्रम में कंटेनर-आधारित मछली पालन, मछली चारा उत्पादन, स्थानीय जीआई-टैग वाली जड़ी-बूटियों से आवश्यक तेल निकालना और आदिवासी छात्रों की आर्थिक सहायता के लिए पीएमविद्यालक्ष्मी योजना पर मार्गदर्शन शामिल है।**

**Key Points:-**

(i) DU छात्रों के आवास, यात्रा और परिसर के खर्चों को कवर करता है - जो समावेशन के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अन्य आदिवासी क्षेत्रों को शामिल करने के लिए योजना का सालाना विस्तार करने और संकाय के दौरे के माध्यम से दूरस्थ विस्तार शुरू करने की योजना के साथ, कार्यक्रम सीधे शिक्षा में शहरी-ग्रामीण और डिजिटल विभाजन को संबोधित करता है।

(ii) कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने आदिवासी युवाओं के लिए शैक्षणिक अंतर को पाटने और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने के लिए JAIHIND के मिशन पर जोर दिया।

(iii) दिल्ली विश्वविद्यालय इस योजना को एक राष्ट्रीय मॉडल में बदलने की कल्पना करता है, जो कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा तक सामाजिक रूप से न्यायसंगत पहुंच को बढ़ावा देता है।

## 4. बढ़ते प्रदूषण के बीच कृत्रिम वर्षा कराने के लिए दिल्ली में पहली बार क्लाउड सीडिंग का परीक्षण शुरू किया जाएगा।

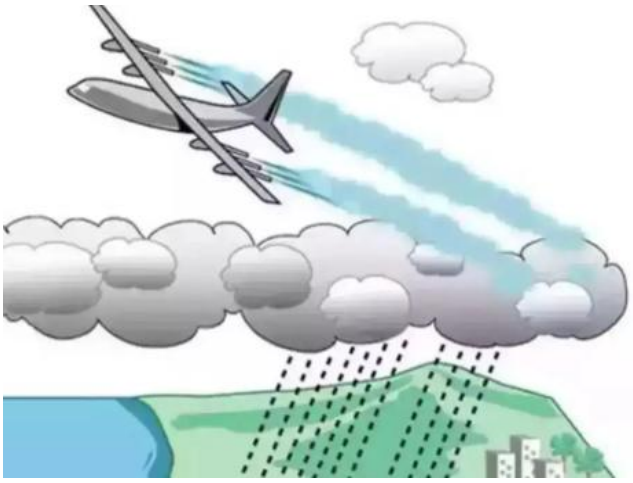

जून 2025 में, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शहर के पहले क्लाउड-सीडिंग ट्रायल की घोषणा की थी - जिसे IIT-कानपुर के सहयोग से किया गया था - जिसका उद्देश्य प्रदूषण को कम करने और जल स्तर को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बारिश को प्रेरित करना था। क्रियान्वयन शुरू होने से पहले योजना को अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

**• पायलट क्लाउड-सीडिंग परियोजना का उद्देश्य दिल्ली के लगातार वायु प्रदूषण (PM2.5 - 2.5 माइक्रोमीटर से कम पार्टिकुलेट मैटर और PM10 - 10 माइक्रोमीटर से कम पार्टिकुलेट मैटर) को कम करना और कृत्रिम रूप से बारिश को प्रेरित करके दुर्लभ वर्षा की पूर्ति करना है। सभी वैज्ञानिक प्रणालियाँ तैयार हैं, अंतिम मंज़ूरी मिलना बाकी है। उपयुक्त मौसम की स्थिति - नम, गहरे बादल - ऑपरेशन को गति प्रदान करेंगे।**

**• IIT-कानपुर के साथ मिलकर तैयार किए गए इस प्रयोग में फ्लेयर-आधारित सिस्टम से सुसज्जित विशेष रूप से सुसज्जित सेसना विमान का उपयोग किया गया है। सीडिंग कणों में सिल्वर आयोडाइड नैनोकण, आयोडीन युक्त नमक और सेंधा नमक शामिल हैं। उत्तर-पश्चिम और बाहरी दिल्ली क्षेत्रों में 1.5 घंटे के लिए 100 वर्ग किलोमीटर की दूरी तय करने वाली पांच उड़ानें की योजना बनाई गई है।**

**Key Points:-**

(i) उड़ानों को गैर-संवेदनशील हवाई क्षेत्र तक सीमित रखा गया है, राष्ट्रपति भवन और संसद जैसे VIP क्षेत्रों से परहेज

किया गया है। IMD (भारत मौसम विज्ञान विभाग), DGCA (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय), AAI (भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण) और MoD (रक्षा मंत्रालय) जैसी एजेंसियों से विनियामक अनुमोदन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वास्तविक समय CAAQMS (निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन) मॉनिटर उड़ानों से पहले और बाद में वायु गुणवत्ता में होने वाले बदलावों को मापेंगे।

(ii) अनुमानित परीक्षण लागत प्रति उड़ान ₹55 लाख है, जो कुल मिलाकर ₹2.75 करोड़ है। जबकि IIT-कानपुर के अध्ययन में 60-70% सफलता दर का सुझाव दिया गया है, विशेषज्ञों ने जोर दिया है कि प्रभाव अवधि सीमित हो सकती है और दीर्घकालिक स्थिरता अप्रमाणित है। विस्तार पर विचार करने से पहले परीक्षण के बाद के डेटा पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन करेंगे।

## 5. बढ़ते प्रदूषण के बीच कृत्रिम वर्षा कराने के लिए दिल्ली में पहली बार क्लाउड सीडिंग का परीक्षण शुरू किया जाएगा।

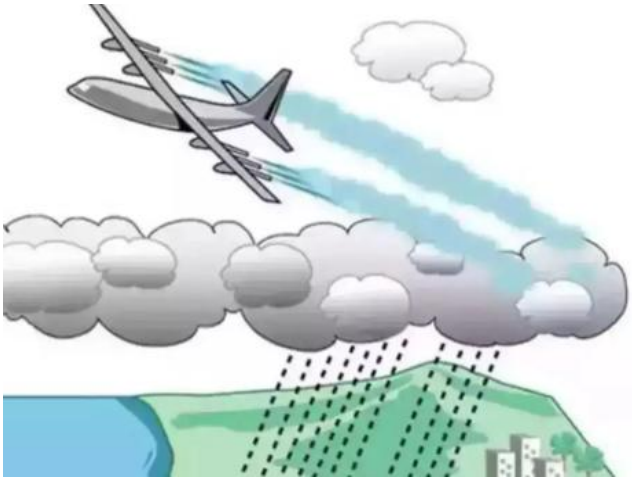

जून 2025 में, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शहर के पहले क्लाउड-सीडिंग ट्रायल की घोषणा की थी - जिसे IIT-कानपुर के सहयोग से किया गया था - जिसका उद्देश्य प्रदूषण को कम करने और जल स्तर को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बारिश को प्रेरित करना था। क्रियान्वयन शुरू होने से पहले योजना को अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

- **पायलट क्लाउड-सीडिंग परियोजना का उद्देश्य दिल्ली के लगातार वायु प्रदूषण (PM2.5 - 2.5 माइक्रोमीटर से कम पार्टिकुलेट मैटर और PM10 - 10 माइक्रोमीटर से कम पार्टिकुलेट मैटर) को कम करना और कृत्रिम रूप से बारिश को प्रेरित करके दुर्लभ वर्षा की पूर्ति करना है। सभी वैज्ञानिक प्रणालियाँ तैयार हैं, अंतिम मंज़ूरी मिलना बाकी है। उपयुक्त मौसम की स्थिति - नम, गहरे बादल - ऑपरेशन को गति प्रदान करेंगे।**

- **IIT-कानपुर के साथ मिलकर तैयार किए गए इस प्रयोग में फ्लेयर-आधारित सिस्टम से सुसज्जित विशेष रूप से सुसज्जित सेसना विमान का उपयोग किया गया है। सीडिंग कणों में सिल्वर आयोडाइड नैनोकण, आयोडीन युक्त नमक और सेंधा नमक शामिल हैं। उत्तर-पश्चिम और बाहरी दिल्ली क्षेत्रों में 1.5 घंटे के लिए 100 वर्ग किलोमीटर की दूरी तय करने वाली पांच उड़ानें की योजना बनाई गई है।**

**Key Points:-**

(i) उड़ानों को गैर-संवेदनशील हवाई क्षेत्र तक सीमित रखा गया है, राष्ट्रपति भवन और संसद जैसे VIP क्षेत्रों से परहेज किया गया है। IMD (भारत मौसम विज्ञान विभाग), DGCA (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय), AAI (भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण) और MoD (रक्षा मंत्रालय) जैसी एजेंसियों से विनियामक अनुमोदन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वास्तविक समय CAAQMS (निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन) मॉनिटर उड़ानों से पहले और बाद में वायु गुणवत्ता में होने वाले बदलावों को मापेंगे।

(ii) अनुमानित परीक्षण लागत प्रति उड़ान ₹55 लाख है, जो कुल मिलाकर ₹2.75 करोड़ है। जबकि IIT-कानपुर के अध्ययन में 60-70% सफलता दर का सुझाव दिया गया है, विशेषज्ञों ने जोर दिया है कि प्रभाव अवधि सीमित हो सकती है और दीर्घकालिक स्थिरता अप्रमाणित है। विस्तार पर विचार करने से पहले परीक्षण के बाद के डेटा पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन करेंगे।

## INTERNATIONAL

### 1. क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026: IIT दिल्ली भारतीय संस्थानों में शीर्ष पर; MIT ने वैश्विक स्तर पर पहला स्थान हासिल किया।

जून 2025 में, लंदन स्थित वैश्विक शिक्षा विश्लेषण फर्म क्वाक्वेरेली साइमंड्स (QS) द्वारा QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 जारी की गई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (IIT-D) सर्वोच्च रैंकिंग वाला भारतीय विश्वविद्यालय बनकर उभरा, जिसने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक बेंचमार्किंग में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की।

**• IIT दिल्ली ने QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 123वीं वैश्विक रैंक हासिल की, जिससे यह सूची में सर्वोच्च रैंक वाला भारतीय संस्थान बन गया। इसने 2024 में 197वें स्थान से 2026 में 123वें स्थान पर पहुँचकर 70 पायदान की प्रभावशाली छलांग लगाई, जो अन्य सभी भारतीय विश्वविद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन है। संस्थान ने कुल 65.5 अंक अर्जित किए।**

**• IIT दिल्ली की इस बढ़त का श्रेय नियोक्ता प्रतिष्ठा (50वां स्थान), प्रति संकाय उद्धरण (86वां स्थान), शैक्षणिक प्रतिष्ठा (142वां स्थान) और स्थिरता (172वां स्थान) में उच्च स्कोर को जाता है। यह वैश्विक अनुसंधान प्रभाव, रोजगार और पर्यावरणीय लक्ष्यों पर इसके निरंतर ध्यान को दर्शाता है।**

**• मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) ने 14वीं बार वैश्विक क्यूएस रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसने 100 के पूर्ण स्कोर के साथ अपना स्थान बरकरार रखा। इसके बाद इंपीरियल कॉलेज लंदन (99.2) और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए (98.9) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।**

**Key Points:-**

(i) रैंकिंग में भारत के 54 विश्वविद्यालय शामिल थे, जिनमें 11 IITs शामिल थे, जिससे यह अमेरिका (192 विश्वविद्यालय), यूके (90) और मेनलैंड चीन (72) के बाद चौथा सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश बन गया। यह उच्च शिक्षा में भारत के बढ़ते वैश्विक कद को दर्शाता है।

(ii) IIT दिल्ली के अलावा, भारत से अन्य प्रमुख प्रविष्टियों में IIT बॉम्बे (IIT-B) और IIT मद्रास (IIT-M) शामिल हैं। ये IITs वैश्विक स्तर पर शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में शामिल हैं, जो भारत के तकनीकी और अनुसंधान नेतृत्व को प्रदर्शित करते हैं।

(iii) IIT दिल्ली को जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (USA) जैसे विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ स्थान मिलना वैश्विक मानचित्र पर भारत की बेहतर होती अकादमिक छवि को दर्शाता है। यह रैंकिंग उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शोध उत्कृष्टता और अंतर्राष्ट्रीयकरण में देश की प्रगति की पुष्टि करती है।

### 2. UNCTAD रिपोर्ट 2025 के अनुसार "भारत 27.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ FDI प्रवाह में विश्व स्तर पर 15वें स्थान पर है"।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD) द्वारा जारी विश्व निवेश रिपोर्ट 2025 के अनुसार, 2024 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के लिए शीर्ष वैश्विक गंतव्यों में भारत को 15वां स्थान दिया गया है। प्रवाह में मामूली गिरावट के बावजूद, भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति 16वें से सुधार कर 15वें स्थान पर पहुंचा दी है, जो चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है।

**• भारत को 2024 में 27.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का FDI प्रवाह प्राप्त हुआ, जबकि 2023 में यह 28.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो साल-दर-साल 1.9% की मामूली गिरावट दर्शाता है। हालांकि, इस गिरावट ने वैश्विक रैंकिंग में भारत की चढ़ाई में बाधा नहीं डाली, जिसने विदेशी निवेशकों के लिए इसकी सापेक्ष स्थिरता और आकर्षण को प्रदर्शित किया, यहां तक कि उस अवधि के दौरान भी जब वैश्विक FDI में 11% की गिरावट आई, जो 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई। रिपोर्ट में भारत के लचीलेपन का श्रेय संरचनात्मक सुधारों, बड़े बाजार आकार और मजबूत सरकार समर्थित नीति ढांचे को दिया गया है।**

**• ग्रीनफील्ड परियोजना घोषणाओं में भारत विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर रहा, जिसमें 2024 में 1,080 परियोजनाएँ पंजीकृत की गईं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 28% की वृद्धि को दर्शाता है, जो अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए निवेशों में देश की बढ़ती अपील को दर्शाता है। ग्रीनफील्ड निवेश भविष्य में रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधि के प्रमुख संकेतक हैं, और भारत का उछाल निवेशकों की भावना का एक सकारात्मक संकेत है।**

**• अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्त के क्षेत्र में, भारत ने 97 सौदे हासिल किए, जिससे यह इस श्रेणी में शीर्ष 5 वैश्विक गंतव्यों में शामिल हो गया। ये परियोजनाएँ मुख्य रूप से परिवहन, नवीकरणीय अवसंरचना, डिजिटल सेवाओं और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में थीं। मजबूत परियोजना वित्त पाइपलाइन स्थिर विनियामक ढांचे और सरकार समर्थित व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण तंत्र द्वारा समर्थित भारत के दीर्घकालिक विकास क्षेत्रों में बढ़ती निवेशक रुचि को इंगित करती है।**

**Key Points:-**

(i) UNCTAD की रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया में FDI के सबसे बड़े प्राप्तकर्ता के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि की, जो पड़ोसी देशों से कहीं आगे है। दक्षिण एशिया के अधिकांश आवक निवेश भारत की ओर निर्देशित थे, जिससे क्षेत्रीय निवेश केंद्र के रूप में इसकी भूमिका मजबूत हुई। रिपोर्ट में भारत की सक्रिय एफडीआई नीतियों, औद्योगिक गलियारों और मेक इन इंडिया और पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) जैसी प्रमुख योजनाओं को भी प्रमुख चालकों के रूप में उद्धृत किया गया।

(ii) भारत में नियोजित पूंजीगत व्यय में 25% की वृद्धि देखी गई, जो 2024 में 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो एशिया के कुल पूंजी निवेश मूल्य का लगभग एक तिहाई है। यह महत्वपूर्ण उछाल डिजिटल प्रौद्योगिकी, विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में मजबूत निवेशक विश्वास से प्रेरित है। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और AI-आधारित बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय निगमों की गहरी दिलचस्पी देखी गई।

(iii) रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, उच्च ब्याज दरों और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याओं जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत ने व्यापक आर्थिक सुधारों, व्यापार करने में आसानी और क्षेत्रीय उदारीकरण के माध्यम से अपने निवेश आकर्षण को बनाए

रखा है। DPIIT और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय जैसे प्रमुख मंत्रालय निवेशक-अनुकूल नीतियों और आउटरीच के माध्यम से विकास का समर्थन करना जारी रखते हैं।

## MOUs and Agreement

### 1. भारत और साइप्रस ने UPI-आधारित सीमा-पार भुगतान प्रणाली शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जून 2025 में, भारत और साइप्रस ने सीमा पार प्रेषण के लिए एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI) को एकीकृत करने के लिए एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य भारत और साइप्रस के उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान को सरल बनाना, द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना और भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे का उपयोग करके वित्तीय समावेशन को बढ़ाना है।

**• भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की अंतरराष्ट्रीय शाखा (NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड) ने साइप्रस के फिनटेक नियामकों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग दोनों देशों के बीच निर्बाध, वास्तविक समय के UPI लेनदेन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो ग्रीस और सिंगापुर के साथ पहले के समझौतों को दर्शाता है।**

**• 2016 में शुरू की गई UPI ने पहले ही अरबों घरेलू लेनदेन को संसाधित किया है। साइप्रस में इसका विस्तार भारत के भुगतान विजन 2025 के अनुरूप है, RBI और NPCI का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम लागत वाली, वास्तविक समय की प्रेषण प्रणाली को दोहराना है, जिससे कार्ड नेटवर्क और SWIFT के विकल्प मिलेंगे।**

**• एक बार चालू होने के बाद, UPI-साइप्रस भुगतान प्रणाली साइप्रस में रहने वाले NRI और भारतीय छात्रों के लिए तत्काल और कम लागत वाले धन प्रेषण को सक्षम करेगी, जिससे महंगे वायर ट्रांसफर पर निर्भरता कम हो जाएगी। यह द्विपक्षीय व्यापार में लगे छोटे और मध्यम उद्यमों (SME) को एक तेज़ और कुशल भुगतान चैनल प्रदान करके सशक्त बनाएगा। इसके अतिरिक्त, साइप्रस के उपयोगकर्ता पर्यटन, शिक्षा और आईटी सेवाओं के लिए भारतीय सेवा प्रदाताओं को सीधे भुगतान करने के लिए UPI-आधारित प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच प्राप्त करेंगे। इस पहल से सीमा पार वित्तीय प्रवाह का लोकतंत्रीकरण होने और SWIFT और कार्ड नेटवर्क जैसे पारंपरिक बैंकिंग रेल पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है।**

**Key Points:-**

(i) यह प्लैटफ़ॉर्म बैंक क्यूआर कोड और मोबाइल ऐप के ज़रिए काम करेगा, जो NPCI और साइप्रस के सेंट्रल बैंक के ज़रिए जुड़ेगा। इसकी मुख्य विशेषताओं में ऑटो-लिटिगेशन सिस्टम, सेटलमेंट नेटवर्क और एंटी-मनी-लॉन्ड्रिंग (AML) और FATF "ट्रैवल रूल" विनियमों का अनुपालन शामिल है।

(ii) भारत के पास पहले से ही फ्रांस, सिंगापुर, UAE और ग्रीस के साथ UPI -आधारित नेटवर्क हैं; साइप्रस यूरोप में एक और रणनीतिक साझेदार बन गया है। यह भारत को पारंपरिक नेटवर्क से परे अगली पीढ़ी के क्रॉस-बॉर्डर भुगतान बुनियादी ढांचे को आकार देने में अग्रणी बनाता है।

(iii) चरणबद्ध कार्यान्वयन 2025 के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। सबसे पहले, यात्रा-संबंधी प्रेषण-जैसे छात्र ट्यूशन और पर्यटक भुगतान-सक्षम किए जाएंगे, उसके बाद व्यापारी और व्यवसाय प्रवाह। स्केल-अप विनियामक सामंजस्य और साइप्रस के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ एकीकरण पर निर्भर करेगा।चरणबद्ध कार्यान्वयन 2025 के अंत तक शुरू

होने की उम्मीद है। सबसे पहले, यात्रा-संबंधी प्रेषण-जैसे छात्र ट्यूशन और पर्यटक भुगतान-सक्षम किए जाएंगे, उसके बाद व्यापारी और व्यवसाय प्रवाह। स्केल-अप विनियामक सामंजस्य और साइप्रस के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ एकीकरण पर निर्भर करेगा।

## APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

### 1. स्केचर्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति बढ़ाने के लिए कार्तिक आर्यन को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया।

जून 2025 में, वैश्विक आरामदायक फुटवियर ब्रांड स्केचर्स ने बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को भारतीय बाजार के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया। "हैंड्स फ्री स्लिप-इन्स" श्रृंखला पर केंद्रित इस सहयोग का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के बीच स्केचर्स की अपील को बढ़ावा देना है।

**• स्केचर्स इंडिया ने कार्तिक आर्यन के साथ एक बहु-वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अभिनेता इसके अभिनव हैंड्स फ्री स्लिप-इन्स फुटवियर को बढ़ावा देने वाले मार्केटिंग अभियानों में प्रमुखता से दिखाई देंगे - एक स्लिप-ऑन डिज़ाइन जो सुविधा के साथ आराम को जोड़ता है।**

**• यह साझेदारी स्केचर्स के युवा, ट्रेंड-सेवी सेलिब्रिटी के साथ जुड़कर बाजार में अपनी पैठ बढ़ाने के इरादे को दर्शाती है। कार्तिक की व्यापक अपील और जीवंत व्यक्तित्व ब्रांड के स्टाइल, आराम और सुलभता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ मेल खाता है।**

**• इस अभियान के दौरान कार्तिक टेलीविजन, प्रिंट और डिजिटल विज्ञापनों में नज़र आएंगे। इसका उद्देश्य भारत के शहरी उपभोक्ताओं के लिए बनाए गए जूतों के झंझट रहित डिज़ाइन-स्लिप-ऑन, स्लिप-ऑफ कार्यक्षमता को उजागर करना है।**

**Key Points:-**

(i) भारत में कैजुअल और कम्फर्ट-ड्रिवन फुटवियर की बढ़ती मांग के साथ, स्केचर्स कार्तिक के विशाल सोशल मीडिया और फैनबेस का लाभ उठाना चाहता है। ब्रांड को मिलेनियल्स और जेन जेड के बीच अधिक दृश्यता और स्वीकृति की उम्मीद है।

(ii) उत्पाद जागरूकता के अलावा, स्केचर्स खुद को एक ऐसे लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में स्थापित करने की योजना बना रहा है जो नवाचार और सहजता पर जोर देता है। कार्तिक के समर्थन से इस छवि को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिससे देश भर में खुदरा और ऑनलाइन बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

(iii) इस ब्रांड कैंपेन की शुरुआत जुलाई 2025 में की जाएगी, जो मानसून सीज़न के साथ मेल खाती है—जब "स्लिप-ऑन" फुटवियर की मांग बढ़ जाती है। स्केचर्स इस पहल के जरिए उत्पाद की ब्रांड रिकॉल और श्रेणी में अग्रणी स्थिति पाने का लक्ष्य रखता है।

## SPORTS

### 1. नीरज चोपड़ा ने 88.16 मीटर थ्रो के साथ पेरिस डायमंड लीग 2025 जीती।

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग 2025 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 88.16 मीटर की शक्तिशाली थ्रो के साथ खिताब जीता। यह स्पर्धा 20 जून, 2025 को स्टेड सेबेस्टियन-चार्लेटी में हुई, जो चोपड़ा की इस सीजन की पहली डायमंड लीग जीत थी और पेरिस ओलंपिक से पहले उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली थी।

- **नीरज ने पहले राउंड में 88.16 मीटर थ्रो के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत की, जो पूरे इवेंट में अपराजित रहा। हालाँकि उन्होंने अपने अगले पाँच प्रयासों में से तीन में फाउल किया और अंतिम राउंड में 82.89 मीटर ही फेंक पाए, लेकिन उनका पहला प्रयास लीडरबोर्ड पर हावी होने और स्वर्ण पदक जीतने के लिए पर्याप्त था।**

- **जर्मनी के जूलियन वेबर ने 87.88 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसने एक नया दक्षिण अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया। कड़ी प्रतिस्पर्धा ने चोपड़ा को अपना संयम बनाए रखने और अपने विश्व स्तरीय कद को साबित करने के लिए प्रेरित किया।**

**Key Points:-**

(i) यह चोपड़ा की लॉज़ेन 2023 के बाद पहली डायमंड लीग जीत थी। इससे पहले 2025 सीज़न में, वह दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे, जहाँ उन्होंने सीज़न का सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर रिकॉर्ड किया था, और पोलैंड में एक और इवेंट में। पेरिस में उनकी जीत वैश्विक चैंपियनशिप से पहले एक मजबूत वापसी और नए रूप का संकेत देती है।

(ii) इस आयोजन से चोपड़ा की आठ साल बाद पेरिस में वापसी भी हुई, 2017 में उनकी आखिरी उपस्थिति ने उन्हें पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया था।

(iii) इस जीत के साथ, चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक से पहले महत्वपूर्ण गति प्राप्त कर ली है, तथा अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक सर्किट में शीर्ष पदक दावेदार और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

## AWARDS

### 1. WAN-IFRA डिजिटल मीडिया अवार्ड्स दक्षिण एशिया 2025 में द हिंदू को चैंपियन का ताज पहनाया गया।

WAN-IFRA डिजिटल मीडिया अवार्ड्स साउथ एशिया 2025 में द हिंदू को 'चैंपियन पब्लिशर ऑफ द ईयर' का खिताब दिया गया है, जो पूरे क्षेत्र के प्रमुख समाचार संगठनों की 105+ प्रविष्टियों में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा है। द हिंदू ने वीडियो, AI, पॉडकास्ट, ऑडियंस एंगेजमेंट और डेटा जर्नलिज्म में कुल 10 पुरस्कार जीते, जिससे डिजिटल इनोवेशन और कंटेंट एक्सीलेंस में इसका दबदबा उजागर हुआ।

- **द हिंदू ने 4 स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किए, जिसमें इसकी प्रसिद्ध "मेड ऑफ़ चेन्नई" श्रृंखला के लिए 'वीडियो का सर्वश्रेष्ठ उपयोग' और 'सर्वश्रेष्ठ नेटिव विज्ञापन अभियान'**

**शामिल है। इसने अपने प्रमुख करंट अफेयर्स शो "इन फोकस" के लिए 'सर्वश्रेष्ठ पॉडकास्ट' और डिजिटल सब्सक्रिप्शन और मुद्रीकरण के लिए अपने अभिनव दृष्टिकोण के लिए 'राजस्व रणनीति में AI के सर्वश्रेष्ठ उपयोग' में भी स्वर्ण जीता।**

**• स्वर्ण पदकों के अलावा, द हिंदू ने 3 रजत पुरस्कार जीते। इनमें चुनाव पूर्वव्यापी "भारत ने कैसे मतदान किया: 1952-2024" के लिए 'सर्वश्रेष्ठ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन', राजस्व सृजन में एआई के उपयोग के लिए दूसरा रजत और 'सर्वश्रेष्ठ डिजिटल सदस्यता' रणनीति के लिए एक और पुरस्कार शामिल है। ये जीत संपादकीय गहराई को तकनीकी नवाचार के साथ जोड़ने के लिए अखबार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।**

**• प्रकाशन ने 3 कांस्य पुरस्कार भी जीते - अपने क्विज़ और क्वेस्ट प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से 'सर्वश्रेष्ठ ऑडियंस एंगेजमेंट' के लिए, कल्लाकुरिची शराब त्रासदी पर प्रभावशाली डेटा स्टोरीटेलिंग के लिए, और फिर से 'सर्वश्रेष्ठ डिजिटल सब्सक्रिप्शन' श्रेणी में। ये पुरस्कार डिजिटल-फर्स्ट टूल और फ़ॉर्मेट का उपयोग करके विविध दर्शकों तक पहुँचने के लिए पेपर के निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं।**

**Key Points:-**

(i) ये पुरस्कार चेन्नई में आयोजित WAN-IFRA दक्षिण एशिया सम्मेलन में प्रदान किए गए, जिसमें WAN-IFRA के नेतृत्व में मरियम मैमन मैथ्यू (उपाध्यक्ष) और मगदूम मोहम्मद (प्रबंध निदेशक, दक्षिण एशिया) शामिल थे। द हिंदू के सीईओ एल.वी. नवनीत और संपादक सुरेश नंबथ ने पुरस्कार स्वीकार किया और सफलता का श्रेय क्रॉस-टीम सहयोग और सामग्री उत्कृष्टता को दिया।

(ii) इन जीतों के परिणामस्वरूप, द हिंदू की स्वर्ण-पुरस्कार प्राप्त प्रविष्टियाँ अब WAN-IFRA वर्ल्ड डिजिटल मीडिया अवार्ड्स 2025 के लिए अर्हता प्राप्त करती हैं, जो इस वर्ष के अंत में वैश्विक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। द हिंदू अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया की सर्वश्रेष्ठ डिजिटल पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति में है, जिससे भारत के सबसे आगे की सोच रखने वाले और प्रभावशाली मीडिया घरानों में से एक के रूप में इसकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है।

(iii) यह सफलता पत्रकारिता के लिए AI और डेटा टूल्स जैसी तकनीक का लाभ उठाने पर द हिंदू के मजबूत फोकस को रेखांकित करती है, जबकि गहरी संपादकीय अखंडता को बनाए रखती है। इस प्रदर्शन के साथ, द हिंदू ने BBC, द क्विंट और HT मीडिया जैसे प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलकर डिजिटल मीडिया उत्कृष्टता में एक नया क्षेत्रीय मानक स्थापित किया है।

## INDEX

### 1. WEF ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2025: भारत 71वें स्थान पर और स्वीडन विश्व स्तर पर अग्रणी।

जून 2025 में, विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने 2025 के लिए अपना ऊर्जा संक्रमण सूचकांक (ETI) जारी किया। भारत 118 देशों में से 71वें स्थान पर रहा, जबकि स्वीडन इस सूची में शीर्ष पर रहा, जो ऊर्जा सुरक्षा और कोयले पर निर्भरता की चुनौतियों के बीच दक्षता और निवेश में भारत की प्रगति को दर्शाता है।

**• एक्सेंचर के सहयोग से विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रतिवर्ष संकलित ईटीआई ऊर्जा प्रणाली प्रदर्शन (सुरक्षा, स्थिरता, समानता) और संक्रमण तत्परता (विनियमन, बुनियादी ढांचे, नवाचार) के आधार पर देशों का मूल्यांकन करता है।**

**• भारत 118 देशों में 71वें स्थान पर है, जो 2024 में 63वें स्थान से गिर गया है। इसका समग्र स्कोर 53.3 है, जो सिस्टम प्रदर्शन (60.4) और संक्रमण तत्परता (42.7) में लाभ से प्रेरित है।**

**• भारत के ऊर्जा क्षेत्र में हालिया विकास में ऊर्जा दक्षता में सुधार, ऊर्जा तीव्रता में कमी और स्वच्छ ऊर्जा निवेश की क्षमता में वृद्धि शामिल है। स्वच्छ ईंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण की पहुंच भी बढ़ी है, जिससे समावेशी ऊर्जा विकास को बढ़ावा मिला है। हालांकि, भारत अब भी कोयले और जीवाश्म ईंधनों पर भारी निर्भर है, और ग्रिड के आधुनिकीकरण व विश्वसनीयता में चुनौतियाँ बनी हुई हैं। शहरी और दूरदराज़ ग्रामीण क्षेत्रों के बीच बुनियादी ढांचे और ऊर्जा पहुंच में भी उल्लेखनीय क्षेत्रीय असमानताएँ मौजूद हैं।**

**Key Points:-**

(i) स्वीडन रैंकिंग में सबसे आगे है, उसके बाद फिनलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शीर्ष पांच में हैं।

(ii) अन्य प्रमुख रैंकिंग: चीन 12वें, अमेरिका 17वें, पाकिस्तान 101वें, जबकि कांगो अंतिम स्थान पर है।

(iii) वैश्विक ETI स्कोर 2025 में 1.1% बढ़ा, जो पुनः गति को दर्शाता है। हालाँकि, केवल 28% देश ही तीनों आयामों (सुरक्षा, समानता, स्थिरता) में आगे बढ़े हैं। भारत को आगे बढ़ने के लिए ग्रिड अपग्रेड, नवीकरणीय तैनाती और विनियामक सुधारों में तेजी लानी चाहिए।

## IMPORTANT DAYS

### 1. विश्व संगीत दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है।

विश्व संगीत दिवस, जिसे फ़ेते डे ला म्यूज़िक के नाम से भी जाना जाता है, हर साल 21 जून को मनाया जाता है, जो ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाता है। सबसे पहले 1982 में फ्रांस के संस्कृति मंत्री जैक लैंग और संगीतकार मौरिस फ़्लुरेट द्वारा शुरू किया गया यह कार्यक्रम अब भारत सहित 120 से ज़्यादा देशों के 1,000 से ज़्यादा शहरों में फैल चुका है।

**• 2025 के लिए आधिकारिक थीम "सद्भाव के माध्यम से उपचार" है, जो भावनात्मक कल्याण, तनाव से राहत और सामाजिक एकता में संगीत की भूमिका पर जोर देता है।**

**• एक सार्वभौमिक मंच के रूप में, विश्व संगीत दिवस शौकिया और पेशेवर दोनों तरह के कलाकारों द्वारा मुक्त, खुली हवा में प्रदर्शन को प्रोत्साहित करता है। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना और संगीत के माध्यम से समुदायों को एकजुट करना है।**

**• कार्यक्रमों में स्ट्रीट कॉन्सर्ट, पब्लिक जैम सेशन, ऑनलाइन सहयोग, स्कूल फेस्टिवल और सामुदायिक कराओके शामिल हैं। सभी प्रदर्शन आम तौर पर निःशुल्क और समावेशी होते हैं।**

**Key Points:-**

(i) भारत में, कोलकाता के साइंस सिटी ऑडिटोरियम में 21-22 जून को संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि विश्व स्तर पर, जॉर्जटाउन, वाशिंगटन डीसी में कई मंचों पर 40 से अधिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ii) ग्रीष्म संक्रांति के उत्सवों से जुड़ा विश्व संगीत दिवस

मौसमी नवीनीकरण के समानांतर है और इसकी शुरुआत 1982 में पेरिस में हुई थी, जो अब राष्ट्रों के बीच एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है।

(iii) विश्व संगीत दिवस सिर्फ़ मनोरंजन के लिए ही नहीं बल्कि संगीत की उपचारात्मक और एकजुट करने वाली शक्ति के उत्सव के रूप में भी काम करता है, जो 2025 की थीम के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होता है। यह रोज़मर्रा की जगहों में रचनात्मकता, समुदाय और संगीत विविधता को अपनाने का अवसर है।

## 2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है, जो उत्तरी गोलार्ध में साल का सबसे लंबा दिन होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव के बाद 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे अपनाए जाने के बाद से इस साल इसकी 11वीं वर्षगांठ है।

- **2025 का थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" है, जो व्यक्तिगत कल्याण, ग्रहीय स्वास्थ्य और स्थिरता के बीच तालमेल पर प्रकाश डालता है।**

- **ग्रीष्म संक्रांति के लिए चुना गया 21 जून का दिन नवीनीकरण, ऊर्जा और संतुलन का प्रतीक है, जो मन, शरीर और प्रकृति के बीच सामंजस्य के योग के मूल सिद्धांतों को दर्शाता है।**

- **आयुष मंत्रालय देशभर में 10 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसमें प्रमुख "योग संगम" भी शामिल है - 100,000 स्थानों पर सामूहिक योग प्रदर्शन। इनमें योग कनेक्ट, हरित योग, दिव्यांगों के लिए योग समावेश, योग महाकुंभ आदि शामिल हैं।**

**Key Points:-**

(i) प्रधानमंत्री मोदी विशाखापत्तनम के आर.के. बीच पर मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें सुबह 6:30 बजे से सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुरूप सत्र शुरू होंगे।

(ii) विश्व स्तर पर मनाए जाने वाले इस दिन में पार्कों, समुद्र तटों, स्कूलों और यहाँ तक कि सियाचिन जैसे नौसैनिक और उच्च-ऊंचाई वाले ठिकानों पर हज़ारों लोगों ने भाग लिया। भारतीय दूतावासों ने भी लिंकन मेमोरियल (USA), बाटू गुफाओं (मलेशिया) और बाली जैसे स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए।

(iii) यह आयोजन शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक लचीलापन और पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह योग को वैश्विक कल्याण आंदोलन के रूप में पेश करते हुए भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को भी मजबूत करता है।

## 3. विश्व वर्षावन दिवस 22 जून 2025 को मनाया जाता है।

विश्व वर्षावन दिवस, जो प्रतिवर्ष 22 जून को मनाया जाता है, की स्थापना 2017 में वर्षावन साझेदारी द्वारा पृथ्वी पर जीवन

को बनाए रखने में वर्षावनों के महत्वपूर्ण महत्व को उजागर करने के लिए की गई थी।

**• छह साल पहले शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य जलवायु विनियमन, जैव विविधता संरक्षण और स्वदेशी समुदायों को समर्थन देने में वर्षावनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है।**

**• वर्षावन पृथ्वी की सतह के केवल 6% हिस्से को कवर करते हैं, फिर भी वे सभी स्थलीय प्रजातियों में से लगभग आधे का घर हैं, आवश्यक मीठा पानी प्रदान करते हैं, और भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं।**

**• इस वर्ष का ध्यान कार्रवाई और बहाली पर है, तथा देशों, समुदायों और कंपनियों से आग्रह किया जा रहा है कि वे जारी वनों की कटाई से निपटने के लिए वर्षावन पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा, पुनर्स्थापना और पुनर्जनन करें।**

**Key Points:-**

(i) गतिविधियों में वृक्षारोपण अभियान, शैक्षिक अभियान, ऑनलाइन वेबिनार, संरक्षण समूहों के लिए धन जुटाना, तथा रेनफॉरेस्ट एलायंस प्रमाणित उत्पादों को चुनने जैसी टिकाऊ उपभोग की आदतें अपनाना शामिल है।

(ii) तेजी से हो रही वनों की कटाई - हर साल करीब 78 मिलियन हेक्टेयर वनों की कटाई - वैश्विक जलवायु स्थिरता, प्रजातियों के विलुप्त होने और मानव कल्याण के लिए खतरा है। विश्व वर्षावन दिवस भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन अमूल्य पारिस्थितिकी प्रणालियों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों को संगठित करता है

(iii) विश्व वर्षावन दिवस पहली बार 22 जून, 2017 को मनाया गया था, जब इसे उष्णकटिबंधीय वर्षावनों के महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और उनके संरक्षण और बहाली के लिए सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए वर्षावन साझेदारी द्वारा लॉन्च किया गया था।

## SCIENCE AND TECHNOLOGY

### 1. होंडा R&D ने जापान में पुन: प्रयोज्य रॉकेट प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

होंडा ने अपने अनुसंधान एवं विकास प्रभाग के माध्यम से, जापान के "अंतरिक्ष शहर" ताइकी में एक पुन: प्रयोज्य रॉकेट प्रोटोटाइप को लॉन्च करके और सुरक्षित रूप से उतारकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की - जो इसकी अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं में एक बड़ी छलांग है।

**• 6.3 मीटर, 2,800 पाउंड का रॉकेट ~890 फीट (271 मीटर) की ऊंचाई तक पहुंचा, ~56.6 सेकंड तक हवा में रहा, और चार वापस लेने योग्य पैरों का उपयोग करके अपने लक्ष्य के 14.6 इंच (37 सेमी) के भीतर उतरा।**

**• होंडा अमेरिका और चीन के बाहर पुन: प्रयोज्य रॉकेट प्रोटोटाइप का परीक्षण-प्रक्षेपण और पुनर्प्राप्ति करने वाली पहली कंपनी बन गई है - एक ऐसी उपलब्धि जो पहले केवल स्पेसएक्स और चीनी कार्यक्रमों में ही देखी गई थी।**

**• रॉकेट परियोजना, जो 2021 में शुरू किए गए इंजन परीक्षण प्रयासों पर आधारित है, होंडा R&D में छह वर्षों के व्यवस्थित विकास को दर्शाती है।**

**Key Points:-**

(i) JAXA और निजी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों ने ताइकी टाउन को अंतरिक्ष परीक्षण केंद्र में बदल दिया है - उन्नत सुविधाएं और नियामक सहायता प्रदान की है।

(ii) होंडा ने पुष्टि की है कि, हालांकि व्यावसायीकरण अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसने 2029 तक उपकक्षीय प्रक्षेपण (~ 62 मील ऊंचाई) की योजना बनाई है, जो हल्के उपग्रह मिशनों के लिए आधार तैयार करेगा।

(iii) होंडा की प्रगति जापान की व्यापक रणनीति के अनुरूप है - जिसमें बहु-अरब डॉलर के एयरोस्पेस उद्यम निधि शामिल हैं - प्रक्षेपण लागत में कटौती करने, निजी क्षेत्र के नवाचार को बढ़ावा देने और स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन जैसे वैश्विक नेताओं को टक्कर देने के लिए।

## Static GK

| | | |
|---|---|---|
| **World Economic Forum (WEF)** | अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) : बोर्गे ब्रेंडे | मुख्यालय : जिनेवा, स्विटजरलैंड |
| **Cyprus** | अध्यक्ष: श्री निकोस क्रिस्टोडौलिडेस | राजधानी: निकोसिया |
| **Skechers U.S.A., Inc.** | CEO : रॉबर्ट ग्रीनबर्ग | मुख्यालय : कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका |
| **Japan** | राजधानी: टोक्यो | प्रधान मंत्री: शिगेरु इशिबा |
| **Odisha** | मुख्यमंत्री: मोहन चरण माझी | राज्यपाल: हरि बाबू कंभमपति |
| **Ministry of Women and Child Development (MoWCD)** | केंद्रीय मंत्री: अन्नपूर्णा देवी | मुख्यालय: नई दिल्ली |
| **Delhi** | मुख्यमंत्री: रेखा गुप्ता | अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा: इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा |
| **UNCTAD** | प्रमुख: रेबेका ग्रिनस्पैन | मुख्यालय: जिनेवा, स्विटजरलैंड |